651

MASA-08

December - Examination 2018

M.A. (Final) Sanskrit Examination

आधुनिक संस्कृत साहित्य का इतिहास

Paper - MASA-08

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 80**

निर्देश : यह प्रश्न पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड – 'अ' **$8 \times 2 = 16$**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1) (i) 'लेलिनामृतम्' महाकाव्य के रचनाकार का उल्लेख करें।

(ii) जगन्नाथ पाठक के किन्हीं दो लघुकाव्यों का नाम लिखें।

(iii) 'पद्मिनी' उपन्यास के उपन्यासकार कौन हैं?

(iv) कलानाथ शास्त्री के रूपकों का उल्लेख करें।

(v) प्रशस्यमित्र शास्त्री के दो लघुकथासंग्रह के नाम लिखें।

(vi) 'विनायक वैजयन्ती' नामक काव्य संस्कृत के किस काव्य विधा का परिचायक है?

(vii) 'सम्बोधि' नामक काव्य किस जैन मुनि की रचना है?

(viii) 'बुभुक्षा' 'जिजीविषा' नामक लघुकथा संग्रह के रचयिता का नामोल्लेख कीजिये।

खण्ड – ब **4 × 8 = 32**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 200 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 8 अंकों का है।

2) पं. रेवाप्रसाद द्विवेदी रचित 'सीताचरितम्' के वैशिष्ट्य पर आलेख लिखिये।

3) बीसवीं शताब्दी के संस्कृत गीतिकाव्यों पर उदाहरण सहित लेख लिखिये।

4) पं. विश्वनाथ मिश्र कृत 'कविसम्मेलनम्' नामक प्रहसन की नाट्यशास्त्रीय द्दष्टि से आलोचना करें।

5) संस्कृत ध्वनि रूपकों की श्रृंखला में देवर्षि कलानाथ शास्त्री के ध्वनिरूपक की समीक्षा करें।

6) 'कथानकवल्ली' नामक लघुकथा संग्रह पारंपरिक व नवीन प्रयोगों का मिश्रण है।' समीक्षा कीजिये।

7) आधुनिक संस्कृत साहित्य में 'जीवनवृत्त' नामक विधा का सामान्य परिचय दीजिये।

8) आचार्य महाप्रज्ञ कृत 'रत्नपालचरितम्' की समीक्षा करें।

9) बीसवीं शताब्दी के प्रमुख संस्कृत उपन्यास पर एक संक्षिप्त आलेख लिखें।

खण्ड – स **$2 \times 16 = 32$**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 500 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 16 अंकों का है।

10) 'नलिनी शुक्ला रचित 'कथासप्रकम्' आज के नूतन परिवेश, समस्याओं के परिप्रेक्ष्य में लिखा गया है। इस कथन की उदाहरण सहित व्याख्या करें।

11) आधुनिक संस्कृत साहित्य को ''जैन मनीषियों का योगदान'' विषय पर अपने विचारों को लिपिबद्ध करें।

12) बीसवीं शताब्दी के पूर्वार्द्ध (1920 से 1950) तक के संस्कृत रूपक साहित्य पर आलेख लिखें।

13) आधुनिक संस्कृत लघुकथासाहित्य की 'समसामयिकता' अथवा यथार्थवाद पर उदाहरण प्रस्तुत करते हुए लेख लिखिए।